Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 14-08-2006
Participants : Bhargav Shri Girdhari Lal,Yadav Dr. Karan Singh

an>

Title : Need to lift ban on 'mining' activity in Rajasthan.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : मान्यवर, मैं एक मानवीय समस्या की ओर सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं। राजस्थान में कई वर्षों से वन संरक्षा के नाम पर जहां पर एक भी वृक्ष नहीं है, खनन पर रोक लगी हुई है। आज भी मेरे संसदीय क्षेत्र के काफी भाग में और अलवर क्षेत्र में 500 खनिज पट्टे हैं, लेकिन खनन पर सरकार ने रोक लगा रखी है। इस कारण उस क्षेत्र में 10,000 लोग बेरोजगार हो गए हैं। उनके साथ-साथ हजारों मजदूर और दो लाख ट्रक मालिक भी बेरोजगार हो गए हैं। इसके अलावा वहां अरबों रुपयों की मशीनरी भी बर्बाद हो रही है। इसके अलावा खनन बंद होने से चोरी की वारदातें बढ़ गई हैं। बेरोजगार हुए मजदूरों को दुकानदारों ने उधार भी देना बंद कर दिया है। उनका कहना है कि जब खानें नहीं चल रही हैं, ये काम नहीं कर पा रहे हैं इसलिए इन्हें अगर उधार दे दिया तो ये कैसे चुकाएंगे। मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि इस मानवीय समस्या को शीघ्र हल करे और जो रोक लगा रखी है, उसे तुरंत हटाया जाए, जिससे वहां के लोगों को काम मिले और जयपुर तथा अलवर में फैली बेरोजगारी को दूर किया जा सके। इस काम को करने का अधिकार केन्द्र सरकार के पास न होकर राज्य सरकार को दिया जाए, तो राज्य सरकार निश्चित रूप से इस बात का जल्दी फैसला कर सकेगी। इसलिए जयपुर और अलवर में जो लोग बेरोजगार हो गए हैं, उन्हें काम मिल सके और जो मशीनरी बंद पड़ी है, उसको भी चलाया जा सके, इसके लिए सरकार तुरंत यह रोक हटाए।

डॉ. करण सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मैं भी अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय : ठीक है।